MARJ–06

December – Examination 2020

M.A. (Final) Examination

RAJASTHANI

प्राचीन और मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

Paper : MARJ-06

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- औ पैपर दो खण्डां में बंटियोड़ो है। खंड-'अ' में साव छोटा सवाल। खंड-'ब' छोटा सवाल।

खण्ड—अ **8×2=16**

निर्देश :- नीचे लिख्योड़ा सगळा सवाल करणा है। सबद सीमा : **30** सबद।

1. साव छोटा सवाल।

   (i) 'कुवलयमाला' ग्रंथ री रचना कुण करी ?

   (ii) 'ख्यात' रो कांई अरथ हुवै ?

   (iii) 'दयालदास री ख्यात' कुण लिखी ?

(iv) 'राजान-राउत रो बात बणाव' कितरा खण्डा **अथवा** प्रस्तावां में निबद्ध है ?

(v) मुंइणौत नैणसी कुणसा राजवंस सूं जुड़ाब राखै ?

(vi) अचलदास खींची री वचनिका कुणसी सैली में लिख्योड़ी है ?

(vii) पृथ्वीचन्द्र चरित रचना रो दूजौ नाम कांई है ?

(viii) राजस्थानी बही साहित्य रा कोई दो नाम बताओ।

खण्ड—ब **4×16=64**

निर्देश :- नीचे लिख्योड़ा सवालां मांय सूं किणी **चार** सवालां रा जबाब देवणौ है। सबद सीमा: **200** सबद।

2. मध्यकालीन काव्य-सै री ओळखाण कराओ।

3. बालावबौध अर टब्बा-साहित्य में कांई फरक है ? खुलासो करो।

4. 'नैणसी री ख्यात' माथै अेक आलेख लिखो।

5. 'राजान-राउत रो बात बणाव' रो कथासार आपरै सबदां में मांडौ।

6. 'कुंवरसी-सांखलो री बात' री खास-खास विसेसतावां उजागर करो।

7. वचनिका अर दवावैत में अंतर स्पष्ठ करो।

8. राजस्थानी बही-साहित्य रै महत्त्व नै दरसावो।

9. 'अचलदास खींची री वचनिका' अेक खण्डकाव्य सिरजणा है। कथन री विरोळ करो।